चरित्र में, सोच में
समझ में, विचार में

ये तो बस शुरूआत है
मिलों दूर जाना है
एक ऐसी उड़ान भरनी है
जहां कोई लड़की के पंख न काट सके

जहां न हो पाबंदियां,
न हो बंदिशें
न रुकावटे, न झुकावटे, ना समझौते
ना बलिदान, ना पिंजरे
बस अपने और सपने
और उन सपनों को
पूरा करने की हिम्मत
उड़ान भरने की ताकत

हर्षराज की कविता

छात्र, बी.ए. तृतीय वर्ष, हिन्दी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर,
छत्तीसगढ़

कौन समझे रिश्ता

कौन समझे क्या रिश्ता हमारा
हम दोनों का रिश्ता क्या है
सारी उम्र इन आँखों में
एक ही सपना याद रहा,
सदियाँ बीत गयी
वो लम्हा याद रहा,
कौन रामझे रिश्ता हमारा
कुछ ना हो कर भी
बहुत कुछ है
हमारा ना जन्मों का बंधन
ना उम्मीद का दामन
ना पाने की चाहत
ना विछड़ने का गम
कुछ तो रिश्ता हमारा
कौन समझे क्या है
आपसे हमारा ये वादा है
साथ देगें हम हमेशा
यकीन ना हो तो हमें
आजमा लीजिए जब
तक ये जिंदगी है
साथ देगे हम हमेशा वादा है
ये हमारा आपसे
आपका आना-जाना मेरी
जिंदगी मै दुनिया को नजरों से परे !
अनाम सा रिश्ता हमारा सारी
महफिल भूल गए बस वो पल, याद रहा.
तोड़े से भी ना टूटे ऐसा
अठूठ रिश्ता हमारा
कौन समझे क्या है
रिश्ता हमारा जो हमारे
हर बात में सही बनाती है
चाहें क्यों ना गलती मेरी हो
जो हमारे हिस्से के दुखों को भी कर लेती है
आसानी से सहन कौन समझे क्या है
रिश्ता हम प्यार से बहन कहते हैं
बहन कितनी भी नखरे वाली हो
भाई से ज्यादा से कोई नखरे सहन नही कर पाता
भाई के जीवन में बहन जन्नत का दिया हुआ है
जिसके होने से हर घर में रौनक है